annapoorna

LET NO CHILD GO TO SCHOOL HUNGRY EVER

श्री सत्य साई
अन्नपूर्णा ट्रस्ट

अभावग्रस्त छात्रों के लिए निःशुल्क नाश्ता सेवा

पोषण अभियान – जन आंदोलन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए।

(बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं व स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करने के लिए भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम)

नाश्ता क्यों आवश्यक है ?

रात्रिकालीन भोजन ग्रहण करने के लंबे अंतराल के बाद सुबह नाश्ता शरीर की आवश्यकताओं को पूरी करने का एक बेहतरीन तरीका है, विशेषतः बच्चों के लिए क्योंकि यह उनके शारीरिक और मानसिक कल्याण, शैक्षणिक उपलब्धि व ज्ञान संबंधी विकास में सहायक होता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों के बहुत सारे छात्र इस पोषक सेवन को इसलिए नही ले पाते क्योंकि उनका परिवार यह खर्च वहन नही कर सकता ।

- शरीर मे आवश्यक अमीनो ऐसिड और खनिजों की उच्च मात्र के लिए
- हृदय व श्वास (सांस) संबंधी स्तर बेहतर करने के लिए
- ऑक्सिजन के उच्च उपयोग व औसत मस्तिष्क रक्त प्रवाह के लिए
- पूर्ण रूप से बेहतर स्वास्थ्य, पाठशाला में अनुपस्थिति में गिरावट
- कक्षा में बेहतर एकाग्रता व प्रदर्शन
- शारीरिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए अधिक शक्ति व सहनशक्ति के लिए
- बेहतर हाथ और आँख के समन्वय व समस्या-समाधान संबंधी कुशलता को बढ़ाने के लिए
- दिन भर ब्लड शूगर के संतुलन के लिए

स्वस्थ बच्चे भारत के स्वस्थ भविष्य के निर्माण के मूलभूत अंग हैं। संतुलित व पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता परोस कर हम समाज के ग्रामीण व वंचित वर्गों के बच्चों में पोषण के अंतर को पूरा करना चाहते हैं ।

सरकारों के साथ ऐम.ओ.यू. (पांच राज्य सरकारों द्वारा सराहना)

- मई 2018- कर्नाटक सरकार के शिक्षा विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- नवंबर 2017- आंध्र प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- अक्टूबर 2017- स्थानीय स्व-सरकारी समूह, केरल सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- अक्टूबर 2017- भोंगिर जिला, तेलंगाना सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- सितंबर 2017- पुडुचेरी सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अन्नपूर्णा नाश्ता कार्यक्रम आरम्भ से अब तक.....

	2012	2015	2020
बच्चे जिन्हें नाश्ता परोसा गया	50	10,000	500,000
विद्यालय	1	120	6,000+
राज्य	1	1	17+3UTs
स्वयंसेवक	10	100	500
सहायक कर्मी	2	300	5,600

2012 – अन्नपूर्णा नाश्ता सेवा आरम्भ हुई

2015 – औपचारिक ट्रस्ट का गठन हुआ

श्री सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट की स्थापना अभावग्रस्त छात्रों तक पहुँचने और उनके विद्यालय के परिसर में पोषक नाश्ता प्रदान करके, जो पूरी तरह से निःशुल्क है, उनकी पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई थी।

अन्नपूर्णा के प्रभाव मार्च 2020 के उपलब्धियों पर एक दृष्टि

- संचालन के 7 वर्ष
- ट्रस्ट गठन के 4 वर्ष
- अब तक 5 करोड़ नाश्ते परोसे गए
- 5 सरकारी हस्ताक्षरित एमओयू जगह-जगह हु
- 55 कॉर्पोरेट/संस्थागत भगीदार
- रोटरी कर्नाटक ऐनजीओ अवार्ड 2020 के विजेता
- ग्लोबल ड्यूटी ऑफ़ केअर अवार्ड्स 2019 सम्मानीय उल्लेख
- 2 शैक्षणिक संस्थान भागीदार (नागार्जुन और आईऐफ़आईएम)
- 5 बेस्ट ऐनजीओ नेशनल अवार्ड्स (सीऐसआर टाइम्स 2018 और 2019, स्प्रिट ऑफ़ ह्यूमैनिटी 2019, सीऐसआर हैल्थ इम्पैक्ट 2018, आईवालंटियर 2017)
- हमारे कार्यों के विषय मे भारत व अन्य देशों के शैक्षणिक संस्थानों को परिचित कराया गया
- सान-1.89 SRoI (सोशल रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट) से सामाजिक ऑडिट प्रमाणपत्र प्राप्त

नाश्ता सेवा जहाँ आज चाल रही है 17 राज्य, 3 केन्द्रीय शासित प्रदेश

राज्य	छात्रों की संख्या	विद्यालयों की संख्या
कर्नाटक	3,80,683	5,004
तेलंगाना	31,207	320
बिहार	25,732	154
आंध्र प्रदेश	21,880	295
पुडुचेरी	19,422	213
तमिलनाडू	12,908	160
केरल	3,187	35
हरियाणा	1,288	9
महाराष्ट्र	1,122	19
उत्तर प्रदेश	957	3
उत्तराखंड	754	8
झारखंड	453	6
जम्मू एंड कश्मीर	343	7
छत्तीसगढ़	340	9
पश्चिम बंगाल	163	3
गुजरात	105	1
उड़ीसा	86	2
मध्य प्रदेश	79	3
दिल्ली	60	1
असम	33	1
कुल योग	**5,00,802**	**6,253**

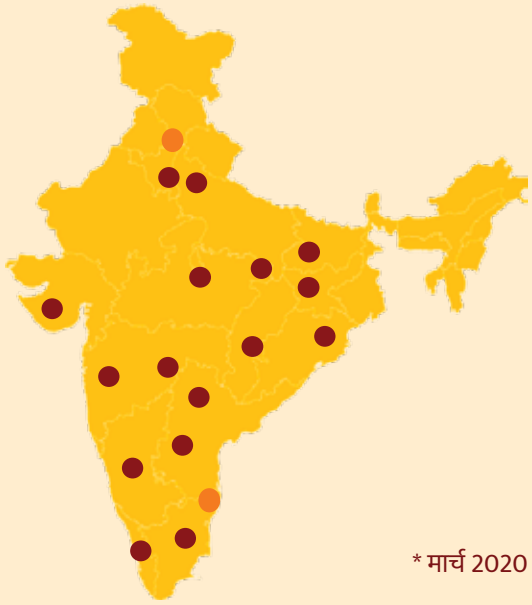

* मार्च 2020 तक

अन्नपूर्णा अन्य देशों में

इंडोनेशिया ❖ थाईलैंड ❖ नाइजीरिया ❖ श्री लंका ❖ ऑस्ट्रेलिया

आगे का पथ सुबह का पोषण परोसते हुए

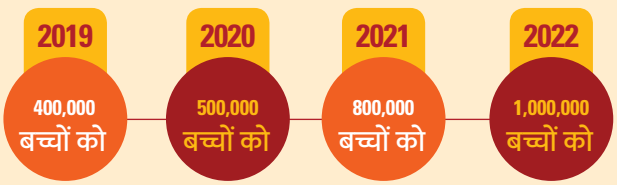

नाश्ते का मैन्यु

विकल्प 1 –
पकाया हुआ नाश्ता

हमारे नाश्ते के मैन्यु को विशिष्ट पोषक तत्व प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जो दोपहर के भोजन के समय तक छात्रों को ऊर्जावान और सीखने के लिए तैयार रखने में सहायता करेगा। मैन्यु को सावधानीपूर्वक नियोजित किया गया है, ये सुनिश्चित करते हुए कि नाश्ता अपने पोषण भागफल में पूर्ण है और गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है।

चिक्कबल्लापुर में अन्नपूर्णा स्कूलों के लिए मैन्यु

सोमवार	अव्वलकी भात/पोहा
मंगलवार	उपमा
बुधवा	सब्जियों वाला पुलाव
वृहस्पतिवार	सब्जियों वाली उपमा
शुक्रवार	चावल पोंगल (खिचड़ी)

विकल्प 2 –
उपयुक्त सूखा नाश्ता जहाँ खाना पकाना संभव नहीं

दूध

केला

बिस्किट एवं अन्य पौष्टिक सूखे नाश्ते

विकल्प 3 –
“साई श्योर” – बड़े पैमाने पर सरकार के साथ सहयोग कर अन्नपूर्णा कार्यक्रम का पौष्टिक व स्वादिष्ट स्वास्थ्य मिश्रण

annapoorna

GOVERNMENT OF KARNATAKA

साई श्योर

+

क्षीर भाग्य मिल्क

सरकारी विद्यालयों में छात्रों को आवश्यक पोषण दिया जा रहा है

डिवाइन मदर एंड चाइल्ड हैल्थ प्रोग्राम

श्री सत्य साईं हैल्थ एंड मैडिकल ट्रस्ट के सहयोग से

DMCHP – मृत्युदर घटाने का लगातार प्रयास

Divine Mother & Child Health Program

- भारत मातृ व बाल मृत्यु की पूर्ण संख्या के अनुसार उच्चतम पाँच देशों में आता है
- मातृ और बाल मृत्यु को कम करना राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है
- इस चिकित्सा अभियान के माध्यम से, हम भावी माता को मजबूत बनाने के जरिये से, पैदा होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य तक पहुँचने का लक्ष्य रखते हैं और इस तरह उनके भविष्य के स्वस्थ बचपन के लिए योगदान देते हैं
- डब्ल्यू ऐच ओ और राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के आधार पर गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व सेवाओं और अन्य स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को प्रदान करने में डीएमसीएचपी टीम पीएचसी मैडिकल टीम की सहायता करेगी

साई श्योर गर्भवती महिलाओं व स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए

साई श्योर शिशुओं के लिए

जल

चिक्कबल्लापुर जिले और बैंगलोर ग्रामीण जिलों में 3,00,000 से अधिक ग्रामीणों के लिए 25 रिवर्स ऑस्मोसिस सयंत्र स्थापित किये गए हैं।

स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की कमी के कारण बच्चे अक्सर बीमार पड़ जाते थे। इस कमी को पूरा करने के लिए हमने गांवों में पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पेयजल परियोजनाओं को क्रियान्वित करना प्रारंभ किया।

गांवों में आवश्यकता के आधार पर सरल और लागत-प्रभावी आरओ वाटर प्लांट व बायो सैंड फ़िल्टर और ऐसे अन्य समाधान विकसित किए गए।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

- 25 पेयजल परियोजनाओं का निष्पादन।
- 3,00,000 ग्रामीणों के पास अब स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है।

स्कूल छोड़ने वाली छात्राओं की दर कम करने में शौचालय निर्माण की विशेष भूमिका रहती है।

स्वच्छ भारत अभियान की भारत सरकार की पहल के अनुरूप, हम विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण करते हैं।

हम स्वच्छता अभियान भी चलाते हैं और विद्यालयों व केंद्रों में कूड़े-दान की व्यवस्था भी सुनिश्चित करते हैं।

ऐसा करने से हमें बच्चों और ग्रामीणों में व्यक्तिगत स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व को समझाने व सिखाने में सहायता मिलती है।

विद्यालयों के लिए शौचालय निर्माण

चिक्कबल्लापुर और बैंगलोर ग्रामीण जिलों में अब तक 20 शौचालयों का निर्माण

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

अन्नपूर्णा ट्रस्ट स्वच्छ भारत अभियान के अनुरूप गतिविधियाँ भी चलाता है।

कॉर्पोरेट भागीदार

सहयोगी भागीदार

ORACLE | Kempegowda | Aditya Birla Group | TAFE | Nagarjuna College of Engineering & Technology
FANUC | ANAROCK | EHR Records | RuralShores | TESSOLVE
QVC Realty Co. | feeds-meone | ZOHO | SAPIENS | ASM Technologies Limited
FAI | VERNALIS | IVALUE | SIGNODE | STAR
KPMG | Kellogg's | Micro Focus | The Breakfast Revolution | SAMSUNG

भोजन संबंधी भागीदार

Dabur | UNIBIC | BRITANNIA | EVEXIA

स्वास्थ्य संबंधी भागीदार

drishti | ESSILOR | D.A. Pandu Memorial | NARAYANA

अन्य भागीदार

BNI | NASSCOM FOUNDATION | IOD

55 + कंपनियों और संस्थानों के साथ सहयोग

Social Audit Network SAN INDIA

सोशल रिटर्न्स ओवर इन्वेस्टमेंट (SROI)
1.89

निवेश पर सोशल रिटर्न (SORI) उन मूल्यों को मापने की एक विधि है जो पारंपरिक रूप से उन वित्तीय विवरणों में शामिल नही है जिनमें सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय कारक शामिल हैं जो ये पहचान सकते हैं कि कोई संगठन अपनी पूँजी और संसाधनों को समाज के लिए लाभकारी बनाने में कितना प्रभावी ढंग से उपयोग करता है।

sammaan

अन्नपूर्णा ट्रस्ट को 'सम्मान फाउंडेशन' के साथ सूचीबद्ध किया गया है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII), बी एस ई और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर (IICA) की एक पहल, सम्मान अपनी तरह का एक ऐसा मंच है जो निगमों और ऐनजीओ के बीच उत्तरदायित्व की खाई को समाप्त करने का काम करता है।

रोटरी कर्नाटक ऐनजीओ अवाईस 2020 ' स्वास्थ्य, पेयजल और स्वच्छता' श्रेणी के अंतर्गत, ग्लोबल ड्यूटी ऑफ़ केयर अवाईस 2019 में माननीय उल्लेख विजेता स्पिरिट ऑफ ह्यूमैनिटी वार्षिक पुरुस्कार 2019 सी ऐस आर टाइम्स बेस्ट ऐनजीओ अवार्ड 2019 स्वास्थ्य सेवा श्रेणी में विजेता

हर सुबह **500,000** बच्चों को नाश्ता कराया जाता है	17 राज्यों व 3 केन्द्रीय शासित प्रदेशों के **6,000+** विद्यालय में	**500** से अधिक स्वयंसेवक	**5,600** से अधिक सहायक कर्मी	**40,000** बच्चों में स्वास्थ्य की कमी की जाँच की गई	**300,000** ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया	जलशोधक यंत्र द्वारा **100,000** बच्चों को लाभान्वित किया गया	हर महीने **5,000** गर्भवती महिलाओं की जाँच की जाती है

अधिक जानकारी के लिए

annapoorna.org.in | https://annapoorna.org.in | info@annapoorna.org.in | annapoornatrust

पंजीकृत पता – डी -305, साई सन्निधि, सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली, चिक्कबल्लापुर, कर्नाटक- 562101

संपर्क - +91 9845351249 / +91 9901999196